(b) whether it is also a fact that hundreds of such vacancies remained unfilled during these sessions;

(c) if so, what are the reasons therefor; and

(d) whether these vacancies are proposed to be filled up in the near future?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI RAJMANGAL PANDE): (a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir.

(c) and (d) As sufficient number of empanelled candidates are available for the posts of Post Graduate Teachers, no advertisement was necessary in respect of General category for the preceding and current academic sessions. However, there are vacancies of Post Graduate Teachers in the reserved categories for which an advertisement has been issued. For the posts of PRTs, Trained Graduate Teachers and miscellaneous categories of teachers, advertisement could not be issued depending review of Recruitment Rules.

The vacancies of teachers continue to arise from time to time due to creation of posts, promotions, retirement and resignation, etc. and continuous efforts are always on to fill them up.

Transfer of Teachers by the Principals of Kendriya Vidyalayas

633. SHRI ASHOK NATH VERMA: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some teachers were rendered surplus in different Kendriya Vidyalayas at the beginning of the current academic session following revised staff-strength sanctions;

(b) whether it is also a fact that Principals of such Vidyalayas have since been authorised to transfer them;

(c) if so, what are the details of such authorisation and if no such power has been given how the Principal of Kendriya Vidyalaya No. 3, Amritsar transferred some such teachers; and

(d) what are the details of action taken/proposed to be taken against the erring Principal?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI RAJMANGAL PANDE): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) Principals are not authorised to transfer any teacher, even when rendered surplus. However, the Principal Kendriya Vidyalaya No. 3 Amritsar had relieved some such surplus teachers. Orders to restore the *status-quo ante* have since been issued.

(d) Explanation of the Principal has since been called for.

संघ राज्य क्षेत्र, दिल्ली में एल.पी.जी. के उपभोक्ता

634. श्री राम प्रेमभरानी :

सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या पेट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिसम्बर, 1990 तक संघ राज्य क्षेत्र, दिल्ली में एल.पी.जी. के उपभोक्ताओं की कुल संख्या कितनी थी;

(ख) दिल्ली में एल. पी. जी. सिलेण्डरों की माहवार मांग कितनी है;

(ग) विभिन्न तेल कम्पनियों द्वारा वितरकों को माहवार सप्लाई किए जाने वाले सिलेण्डरों की कुल संख्या कितनी है;

(घ) क्या सरकार दिल्ली में एल. पी. जी. सिलेण्डरों की मांग और पूर्ति को ध्यान में रखते हुए एल.पी.जी. सिलेण्डरों की वर्तमान वितरण प्रणाली और सुधार करने का विचार कर रही है;

(ङ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

पेट्रोलियम और रसायन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री सत्य प्रकाश मालवीय) : (क) से (ग) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।

(घ) जी, हां।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता।

कोयला धुलाई कारखानों में विद्युत का अभाव

635. **श्री रणजीत सिंह** : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कोयला धुलाई कारखानों में विद्युत के अभाव के कारण उनके उत्पादन पर विपरीत प्रभाव पड़ा है ;

(ख) यदि हां, तो 1990-91 के वित्तीय वर्ष में जनवरी, 1991 के अंत तक इन धुलाई कारखानों के उत्पादन आंकड़े क्या थे ;

(ग) क्या पिछले वर्ष की उसी अवधि की तुलना में उत्पादन कम हुआ है ; और

(घ) इन धुलाई कारखानों की मासिक विद्युत जरूरत कितनी है तथा चालू वित्तीय वर्ष के दौरान जनवरी, 1991 के अंत तक मासिक विद्युत उपलब्धता का ब्यौरा क्या है ?

ऊर्जा मंत्री (श्री कल्याण सिंह कालवी) : (क) जी, हां। विद्युत की कमी का वाशरियों के कार्य निष्पादन पर, विशेषकर भारत कोकिंग कोल लि० की वाशरियों पर, प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

(ख) और (ग) वाशरियों द्वारा अप्रैल-जनवरी, 1990-91 तथा अप्रैल-जनवरी, 1989-90 की अवधि में हुआ उत्पादन और इस संबंध में उत्पादन में आए अन्तराल को विवरण के रूप में नीचे दिया गया है :—

विवरण

(आंकड़े हजार टन में)

नाम	अप्रैल-जनवरी		अन्तराल
	1990-91 (अनंतिम)	1989-90	
दुग्दा-I	459	443	(+) 16
दुग्दा-II	473	459	(+) 14
भौंजूडीह	844	932	(+) 12
पाथरडीह	336	434	(-) 98
लोडना	136	138	(-) 2
सुदामडीह	351	431	(-) 80
बरोरा	36	63	(-) 27
मुनीडीह	288	367	(- 79
मजूदा	38	44	(-) 6
जोड़ भा०को०को०लि०	2961	3211	(-)250